

श्र.ज. सेवा संस्थान

जन्म स्थान रावल गाँव, मथुरा (उ.प्र.)



Regd. No. 122202385747/2024

मोबा. 8435222202, 8450896151

बिलासपुर शाखा : संजय कोचिंग क्लासेस
नर्मदा नगर, द्वार क्रमांक -1, बैलेजा सेलोन के पास
बिलासपुर (छ.ग.) 495001

नसों एवं जोड़ों से संबंधित समस्त रोगों का वैदिक विधि से सम्पूर्ण निदान

रायपुर शाखा : सत्यम विहार कॉलोनी, गली नं. 03, महादेव घाट, रायपुर, रायपुर (छ.ग.) 492013

रोगी का नाम: John Doe उम्र : 35 संपर्क: 1234567890 दिनांक: 12/5/2025

रोग: **Fever** **Cold**

आपके रोग

- Fever
- Cold

औषधियाँ

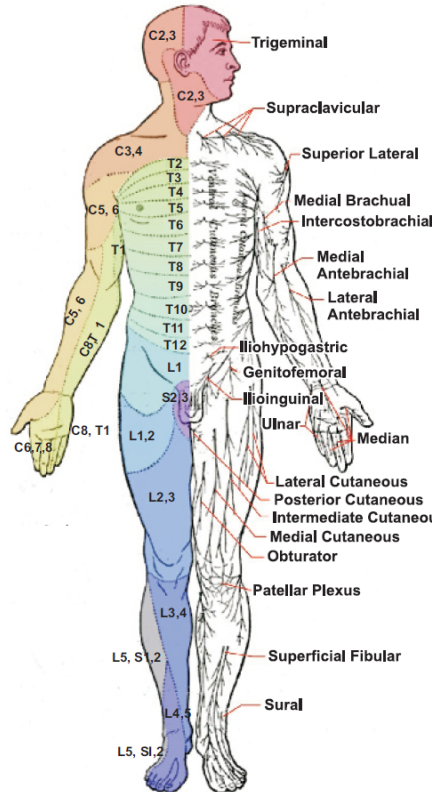
- Paracetamol
2 times a day
- Aspirin
3 times a day

औषधि सेवन के समय निम्न बातों का ध्यान रखें :-

- सभी औषधियाँ हर्बल है, इनके प्रायः साइड इफेक्ट नहीं होते।
- हींग गेहूँ दाने के बराबर रात्रि में गुड़ में लपेटकर या सब्जी-दाल में डालकर उपयोग करें।
- मुँह में छाले, शरीर में सूजन, पेट में दर्द या गर्मी, कब्ज़ या दस्त, पेट का फूलना या वायु बनना तथा त्वचा में जलन, चकते व खुजली होने की स्थिति में औषधि का सेवन सौंफ के पानी के साथ करें अथवा चिकित्सक से फोन में सम्पर्क करें।

पीड़ा की स्थिति में :-

- चिकित्सा के दौरान रोगी को बीच-बीच में 2 से 3 दिनों तक दर्द आ सकता है, क्योंकि नसों में रक्त का प्रवाह नियमित (Repair) होता है, हमारी चिकित्सा में पेन-किलर का उपयोग न के बराबर है, यदि आवश्यक लगे तो आप बाहरी पेन-किलर का उपयोग कर सकते हैं।



चिकित्सक: Dr. Smith

पुनः परामर्श की तिथि: 19/5/2025

- 3 सिटिंग में 80% आराम न होने पर चिकित्सक से प्राकृतिक श्री विधि चिकित्सा का आग्रह करें.
- वैज्ञानिक कार्यवाही के लिए मान्य नहीं है

जल के निम्न नियमों का पालन करना अनिवार्य है -

- जल सदैव बैठकर पात्र को मुंह से लगाकर घूंट-घूंट करके अच्छे से लार में मिश्रित कर (कुल्ला करके या चबाकर) पीना है।
- भोजन करने के 45 मिनट पूर्व जल ग्रहण नहीं करना है, भोजन के 45 मिनट के उपरान्त ही जल ग्रहण करें। (यदि जल पीना अति आवश्यक लगे तो दाल का पानी या एक घण्टे पूर्व रखा हुआ पानी को क्षारीय बना लें, क्षारीय बनाने के लिए फल-सब्जी के छिलके उसमें डालकर रखने होंगे)
- मटके के तापमान तक ठण्डा जल ग्रहण कर सकते हैं, मटके के जल से ज्यादा ठण्डा जल ग्रहण नहीं करना है।

वात एवं पित्त के रोगियों हेतु -

- चूना गेहूं के दाने के बराबर पानी या दाल में घोलकर अथवा पान में लगाकर दिन में एक बार उपयोग करें। (छोटे बच्चे, जिनको CP, Autism, ADHD, EPILEPSY तथा नर्सों की किसी प्रकार की समस्या है, उनके लिए अनिवार्य है)
- हींग गेहूं दाने के बराबर रात्रि में गुड़ में लपेटकर या सब्जी-दाल में डालकर उपयोग करें। (छोटे बच्चे, जिनको CP, Autism, ADHD, EPILEPSY तथा नर्सों की किसी प्रकार की समस्या है, उनके लिए अनिवार्य है)
- प्रत्येक भोजन के पश्चात् अजवाईन, काला नमक मिलाकर प्रतिदिन खाना है (छोटे चम्मच में एक चौथाई)।

यदि आप चाहते हैं कि आपके बच्चे की लम्बाई अच्छी एवं बुद्धि तीव्र रहे तो -

- ब्रेड, बिस्किट, चॉकलेट, चिप्स व अन्य पैकड फूड / जंक फूड एवं आईस्क्रीम का सेवन न करने दें, क्योंकि ऐसे कोई भी खाद्य पदार्थ 90 मिनट के पश्चात् तामसिक हो जाते हैं, इससे शरीर का वायु बढ़ता है तथा नर्सों में रक्त का संचार कम हो जाता है, फलस्वरूप लम्बाई अवरुद्ध होती है तथा बौद्धिक विकास बाधित होता है।
- बच्चों को मोबाईल से दूर रखें और शारीरिक खेलकूद के लिए प्रोत्साहित करें।

आजीवन स्वस्थ रहने हेतु आवश्यक नियम -

- सुबह 9:30 तक पहले फल (केवल एक प्रकार का) फिर नाश्ता या भोजन करना है।
- चाय खाली पेट नहीं पीना है, यदि चाय की लत हो तो, नाश्ते के 10 मिनट पश्चात् ही ले सकते हैं।
- दोपहर का भोजन लेने से पूर्व सलाद लेना है (केवल एक प्रकार का सलाद, मिक्स सलाद न लें) भोजन के मध्य व अन्त में सलाद न लें।
- रात्रि का भोजन 7:00 बजे तक व आधा पेट करें।
- सुबह व दोपहर के भोजन के पश्चात् मीठा खा सकते हैं, लेकिन रात्रि भोजन के पश्चात् मीठा न लें, अगर तीव्र लालसा हो तो गुड़ या चिकी ले सकते हैं।

वैदिक विधि चिकित्सा हेतु परहेज -

- निंबू, दही, खटाई, उड़द, बैंगन, मटर, बासी भोजन नहीं लेना है।
- हाथ-पैर घूमाने (Rotation) वाले किसी भी प्रकार का व्यायाम न करें।
- अलग-अलग रोगियों को अलग-अलग खाद्य पदार्थ, जिसको लेने के पश्चात् दर्द होता है, उसे त्यागना होगा।

VISIT US ON ----



Instagram



Facebook



Google



Whatsapp



Youtube

किसी शिकायत एवं विशेष परिस्थिति में आप सम्पर्क कर सकते हैं -

डॉ. सर्वेश वर्मा

अध्यक्ष, अखिल भारतीय श्रृं सेवा संस्थान

मोबा. 9575166666 (Do not Disturb, without Emergency)